



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 982]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 15, 2005/भाद्र 24, 1927

No. 982]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 15, 2005/BHADRA 24, 1927

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 15 सितम्बर, 2005

वड़ोदरा स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (निगमीकरण और अपरस्परीकरण) स्कीम, 2005 के मामले में प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 4ख(7) के साथ पठित धारा 4ख(6) के अधीन आदेश

का.आ. 1314(अ).—1.0 वड़ोदरा स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (इसमें इसके पश्चात् "वीएसई" के रूप में निर्दिष्ट), प्रत्याभूति द्वारा परिसीमित कंपनी के रूप में कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन रजिस्ट्रीकृत, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज है जिसके कारबार का मुख्य स्थान तीसरी मंजिल, फॉर्चुन टॉवर, वड़ोदरा - 390 005 में स्थित है । प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (इसमें इसके पश्चात् "प्रसंविअ" के रूप में निर्दिष्ट) के उपबंधों के अनुसार इसका निगमीकरण और अपरस्परीकरण किया जाना अपेक्षित है ।

2.0 वीएसई ने, अपने तारीख 31 जनवरी 2005 के पत्र द्वारा, इसके निगमीकरण और अपरस्परीकरण के लिए स्कीम प्रसंविअ की धारा 4ख की उप-धारा (1) के निबंधनों के अनुसार भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इसमें इसके पश्चात् "भाप्रविबो" के रूप में निर्दिष्ट) को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की । भाप्रविबो ने अपने तारीख 25 मई 2005 के पत्र द्वारा वीएसई को संशोधित स्कीम प्रस्तुत करने की सलाह दी वीएसई (निगमीकरण और अपरस्परीकरण) स्कीम, 2005 के उन उपबंधों पर विचार करते हुए, जो वीएसई से सुसंगत और के प्रति लागू हों ।

3.0 इसके पश्चात्, वीएसई ने, अपने तारीख 11 जून 2005 के पत्र द्वारा संशोधित स्कीम प्रस्तुत की । भाप्रविबो ने जाँच की और 21 जुलाई, 2005 को बैठक के माध्यम से वीएसई से जानकारी अभिप्राप्त की । उक्त बैठक के दौरान हुई चर्चा के आधार पर, वीएसई ने स्कीम को पुनः प्रस्तुत करने की वांछ की ।

- 4.0 तदनुसार, वीएसई ने, अपने तारीख 6 अगस्त 2005 के पत्र द्वारा इसके निगमीकरण और अपरस्परीकरण के लिए और संशोधित स्कीम (इसमें इसके पश्चात् "स्कीम" के रूप में निर्दिष्ट) भाप्रविबो को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की प्रसंविअ के उपबंधों के अनुसार।
- 5.0 स्कीम में, अन्य बातों के साथ, सदस्यों के व्यापारिक अधिकारों से स्वामित्व तथा प्रबंधन के पृथक्करण, शेयरधारकों जो व्यापारिक सदस्य भी हैं के मताधिकारों पर निर्बंधन, शासी बोर्ड की संरचना आदि प्रसंविअ की धारा 4ख (6) के उपबंधों के अनुसार, आस्तियों तथा आरक्षितियों के उपयोग और वीएसई के निगमीकरण और अपरस्परीकरण के प्रयोजन के लिए तथा के संबंध में अपेक्षित अन्य मामलों का उपबंध है।
- 6.0 भाप्रविबो, स्कीम पर विचार करते हुए और यह समाधान हो जाने पर कि यह व्यापार के हित में होगी और लोक हित में भी होगी, एतद्वारा लघु परिवर्तनों के साथ स्कीम को अनुमोदित करता है। अनुमोदित स्कीम उपाबंध-क के रूप में संलग्न है।
- 7.0 वीएसई स्कीम में यथा विनिर्दिष्ट समय के भीतर स्कीम की अनुपालना सुनिश्चित करेगा और स्कीम के उपबंधों के प्रतिकूल कोई भी बात नहीं करेगा और भाप्रविबो को अनुपालना की रिपोर्ट ऐसी रीति में प्रस्तुत करेगा जो भाप्रविबो द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए।
- 8.0 भाप्रविबो के पास व्यापार के हित में और लोक हित में और स्टॉक एक्सचेंज के निगमीकरण और अपरस्परीकरण के उद्देश्यों को अग्रसर करने के लिए स्कीम को संशोधित करने, परिवर्तित करने या उपांतरित करने का अधिकार आरक्षित है।
- 9.0 यह स्कीम राजपत्र में इसके प्रकाशन के दिन प्रभावी होगी।

[फा. सं. भाप्रविबो/बाविबि/49397/2005]

एम. दामोदरन्, अध्यक्ष

उपाबंध क

वड़ोदरा स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (निगमीकरण और अपरस्परीकरण) स्कीम, 2005

1. नाम और प्रारंभ

- 1.1 इस स्कीम को वड़ोदरा स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (निगमीकरण और अपरस्परीकरण) स्कीम, 2005 (इसमें इसके पश्चात् "यह स्कीम" अथवा "इस स्कीम" के रूप में निर्दिष्ट) कहा जायेगा।
- 1.2 यह स्कीम प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (इसमें इसके पश्चात् "प्रसंविअ" के रूप में निर्दिष्ट) की धारा 4ख की उप-धारा (4) के अधीन इसके प्रकाशन पर प्रभावी होगी।

- 1.3 वड़ोदरा स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (इसमें इसके पश्चात् "वीएसई" के रूप में निर्दिष्ट) का निगमीकरण और अपरस्परीकरण इस स्कीम के अनुसार नियत तारीख से ही हो जायेगा जो प्रसंविअ की धारा 4क के अधीन वीएसई की बाबत भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इसमें इसके पश्चात् "भाप्रविबो" के रूप में निर्दिष्ट) द्वारा अधिसूचित की जाये ।

परंतु यह कि इस स्कीम के संबंधित खंडों में विनिर्दिष्ट क्रियाकलाप उन खंडों में विनिर्दिष्ट समय अनुसूची के अनुसार कार्यान्वित किये जायेंगे ।

2. परिभाषाएँ

इस स्कीम में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, -

- 2.1 "नियत तारीख" से वह तारीख अभिप्रेत है, जो शासी बोर्ड द्वारा अवधारित की जाये, जो प्रसंविअ की धारा 4ख की उप-धारा (7) के अधीन आदेश के प्रकाशन की तारीख से 3 मास के पश्चात् की नहीं होगी ।
- 2.2 "शासी बोर्ड" से वीएसई का निदेशक बोर्ड अभिप्रेत है ।
- 2.3 "सदस्य" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो वीएसई द्वारा बनाये रखे गये सदस्यों के रजिस्टर के अनुसार पुनःरजिस्ट्रीकरण की तारीख से पूर्ववर्ती दिन को वीएसई का सदस्य है ।
- 2.4 "शेयरधारक" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो वीएसई में किसी इक्विटी शेयर (किन्हीं इक्विटी शेयरों) को धारण करता है ।
- 2.5 "व्यापारिक सदस्य" से वीएसई का स्टॉक दलाल अभिप्रेत है और भाप्रविबो के पास यथा भाप्रविबो (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992 के अधीन रजिस्ट्रीकृत ।
- 2.6 "वड़ोदरा स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड" (वीएसई) से प्रत्याभूति द्वारा परिसीमित कंपनी अभिप्रेत है, जिसके कारबार का मुख्य स्थान तीसरी मंजिल, फॉर्चुन टॉवर, वड़ोदरा - 390005 में स्थित है और केंद्रीय सरकार द्वारा स्टॉक एक्सचेंज के रूप में मान्यताप्राप्त और जिसे शेयरों द्वारा परिसीमित कंपनी के रूप में पुनःरजिस्ट्रीकृत किया जायेगा, इस स्कीम के खंड 3 के अनुसरण में ।
- 2.7 इस स्कीम में प्रयोग किये गये और अपरिभाषित किन्तु भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992, निक्षेपागार अधिनियम, 1996, प्रसंविअ, कंपनी अधिनियम, 1956, इन अधिनियमों के अधीन बनाये गये नियमों और विनियमों, वीएसई के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, नियमों, उप-विधियों और विनियमों में परिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो क्रमशः ऊपर उल्लिखित अधिनियमों, संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, नियमों, उप-विधियों और विनियमों में उनके लिए नियत हैं ।

3. पुनःरजिस्ट्रीकरण

- 3.1 वीएसई स्वयं का पुनः रजिस्ट्रीकरण करेगा, नियत तारीख से पूर्व, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 12 के अधीन शेयरों द्वारा परिसीमित कंपनी के तौर पर, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 32 के अनुसार "वड़ोदरा स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड" के नाम और अभिनाम में।
- 3.2 सदस्य, जैसा शासी बोर्ड द्वारा परिलक्षित किया जाए, प्रत्येक, सममूल्य पर नकदी के लिए 10/- रुपए प्रत्येक के 1,000 पूर्णतः समादत्त इक्विटी शेयरों के प्रति अभिदाय करेंगे और के लिए भुगतान करेंगे, इसके पुनःरजिस्ट्रीकरण के प्रयोजन के लिए।

4. शासी बोर्ड

- 4.1 पुनः रजिस्ट्रीकरण पर प्रथम शासी बोर्ड में ऐसे निदेशक समाविष्ट होंगे जो वीएसई के संगम अनुच्छेद में प्रथम निदेशकों के रूप में नामित हैं इस शर्त के अधीन कि सदस्यों के प्रतिनिधि शासी बोर्ड की कुल संख्या के एक-चौथाई से अधिक न हों।
- 4.2 शासी बोर्ड का गठन, नियत तारीख से ही, समय-समय पर प्रवृत्त वीएसई के संगम-अनुच्छेद के उपबंधों के अनुसार किया जायेगा :

परंतु यह कि -

- (i) व्यापारिक सदस्यों का प्रतिनिधित्व शासी बोर्ड की कुल संख्या के एक-चौथाई से अधिक न हो, और शेष निदेशकों की नियुक्ति ऐसी रीति से हो जो भाप्रविबो द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाये, और
 - (ii) मुख्य कार्यपालक, चाहे किसी भी नाम से पुकारा जाये, पदेन निदेशक हो।
- 4.3 खंड 4.2 में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, भाप्रविबो शासी बोर्ड में निदेशकों को नामनिर्दिष्ट कर सकेगा जब कभी ठीक समझे।

5. शेयरों का आबंटन

- 5.1 प्रत्येक सदस्य या उसका नामनिर्देशी, यथास्थिति, (उन सदस्यों से भिन्न जिन्होंने इस स्कीम के खंड 3.2 के अधीन अभिदाय किया है) वीएसई के सममूल्य पर नकदी के लिए 10/- रु. प्रत्येक के अंकित मूल्य के 1,000 पूर्णतः समादत्त इक्विटी शेयरों के प्रति हकदार होंगे।

5.2 वीएसई हकदार सदस्यों या उनके नामनिर्देशितियों, यथास्थिति को इक्विटी शेयर आबंटित करेगा, नियत तारीख तक :

परंतु यह कि आबंटन को आस्थगित रखा जायेगा

- वीएसई / भाप्रविबो द्वारा निलंबित सदस्य की बाबत निलंबन के जारी रहने तक और
- सदस्यता के संबंध में लंबित मुकदमे के मामले में सक्षम न्यायालय द्वारा अंतिम निपटारा होने तक ;

परंतु यह और कि सदस्य जिसका वीएसई के प्रति बकाया देय है को शेयरों का आबंटन नियत तारीख से 6 मास के भीतर देय का समाशोधन होने पर किया जायेगा ।

5.3 इस खंड के अनुसरण में वीएसई के इक्विटी शेयरों के प्रति अभिदाय का आमंत्रण, और प्रस्ताव, निर्गमन और आबंटन जनता को आमंत्रण, प्रस्ताव, निर्गमन या आबंटन के रूप में नहीं माना जायेगा ।

6. अपरस्परीकरण

6.1 व्यापारिक सदस्य शेयरधारक हो सकेगा या नहीं हो सकेगा ।

6.2 शेयरधारक व्यापारिक सदस्य हो सकेगा या नहीं हो सकेगा ।

7. व्यापारिक अधिकार

7.1 सदस्य, जो स्टॉक दलाल के रूप में रजिस्ट्रीकृत है, नियत तारीख से पूर्ववर्ती दिन को, नियत तारीख को व्यापारिक सदस्य बन जायेगा ।

7.2 सदस्य जो नियत तारीख के पूर्ववर्ती दिन को स्टॉक दलाल के रूप में रजिस्ट्रीकृत नहीं है, नियत तारीख से 3 मास के भीतर भाप्रविबो (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992 के अधीन स्टॉक दलाल के रूप में रजिस्ट्रीकृत हो जाने पर व्यापारिक सदस्य बन जायेगा ।

7.3 नियत तारीख के पश्चात्, व्यापारिक सदस्य बनने की वांछा रखनेवाले व्यक्ति को सम्मिलित कर लिया जायेगा यदि वह वीएसई के नियमों, उप-विधियों और विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करता है और विनिर्दिष्ट फीस तथा निक्षेप लाता है।

7.4 वीएसई, व्यापारिक सदस्य के रूप में किसी व्यक्ति को सम्मिलित करने के प्रयोजन के लिए, पूँजी पर्याप्तता, निक्षेप, फीस आदि के निबंधनों के अनुसार एकरूप मानकों का अनुसरण करेगा उस व्यक्ति द्वारा व्यापारिक अधिकार के अर्जन की रीति का विचार किए बिना :

परंतु यह कि व्यापारिक सदस्य जिसने पारेषण के रूप में व्यापारिक अधिकार अर्जित किया हो के तौर पर व्यक्ति को सम्मिलित करने के लिए विभिन्न मानकों का अनुसरण किया जा सकेगा ।

7.5 व्यापारिक सदस्य अपनी सदस्यता का अभ्यर्पण वीएसई को वीएसई के नियमों, उप-विधियों और विनियमों में विनिर्दिष्ट रीति से कर सकेगा।

7.6 व्यापारिक अधिकार के अर्जन की तारीख या रीति का विचार किए बिना, व्यापारिक सदस्यों के पास एकरूप अधिकार और विशेषाधिकार होंगे :

परंतु यह कि वीएसई, भाप्रविबो के पूर्विक अनुमोदन से, उन व्यापारिक सदस्यों को अतिरिक्त विशेषाधिकार प्रदान कर सकेगा जो पुनःरजिस्ट्रीकरण की तारीख से पूर्ववर्ती दिन को सदस्य थे।

7.7 नियत तारीख को व्यापारिक सदस्यों के पास उनके ग्राहकों और घटकों और अन्य सदस्यों की बाबत वही अधिकार और विशेषाधिकार बने रहेंगे, किसी कृत्य, लोप या संविदा या विधि, अधिसूचना, आदेश, निदेश आदि से उद्भूत या के अधीन जो कि नियत तारीख से पूर्व वीएसई में व्यापार करते हुए उनको प्रोद्भूत होते।

7.8 व्यापारिक सदस्य उनके ग्राहकों और घटकों, भाप्रविबो, वीएसई और अन्य प्राधिकरणों या अन्य व्यक्तियों के प्रति सभी बाध्यताओं और दायित्वों द्वारा आबद्ध होंगे, किसी कृत्य, लोप या संविदा या विधि, अधिसूचना, आदेश, निदेश आदि से उद्भूत या के अधीन, नियत तारीख से पूर्व वीएसई में व्यापार करते हुए।

8. शेयरधारिता अधिकार

8.1 वीएसई सुनिश्चित करेगा कि इसके इक्विटी शेयरों का कम से कम 51% जनता द्वारा धारित है व्यापारिक अधिकारों वाले शेयरधारकों से भिन्न प्रसंविअ की धारा 4ख की उप-धारा (8) में विहित रीति में और कालावधि के भीतर।

8.2 नियत तारीख से ही, वीएसई सुनिश्चित करेगा कि जनता, व्यापारिक अधिकारों वाले शेयरधारकों से भिन्न, इक्विटी शेयरों का कम से कम 51% निरंतर धारण करती रहेगी।

8.3 नियत तारीख से ही, किसी भी शेयरधारक के पास, जो व्यापारिक सदस्य है, वीएसई में मताधिकारों के 3% से अधिक मताधिकार (उसके द्वारा और उसके साथ सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों द्वारा धारित मताधिकारों को एकसाथ लिया गया) नहीं होंगे।

9. संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, आदि

9.1 नियत तारीख के पूर्ववर्ती दिन को वीएसई के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, नियम, उप-विधियाँ और विनियम, जब तक कि इस स्कीम के प्रतिकूल या से असंगत या द्वारा अपवर्जित न हों, नियत तारीख से ही इसके प्रति लागू होंगे।

- 9.2 वीएसई इस स्कीम के उपबंधों को समुचित रूप से नियत तारीख को या से पूर्व वीएसई के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, नियमों, उप-विधियों और विनियमों में सम्मिलित करेगा।
- 9.3 वीएसई के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, नियमों, उप-विधियों और विनियमों को लागू विधियों के अनुसार नियत तारीख के पश्चात् संशोधित किया जा सकेगा, परंतु यह कि कोई ऐसा संशोधन इस स्कीम के किसी उपबंध से असंगत न हो।

10. समाशोधन और निपटान कृत्यों का अंतरण

- 10.1 वीएसई, नियत तारीख के दो वर्षों के भीतर, भाप्रविबो के पूर्विक अनुमोदन के अध्यक्षीन, वीएसई के समाशोधन गृह के कर्तव्यों और कृत्यों को समाशोधन निगम, प्रसंविअ के अधीन मान्यताप्राप्त, में अंतरित करेगा।
- 10.2 जब तक समाशोधन गृह के कर्तव्य और कृत्य खंड 10.1 में उपबंधित रूप से अंतरित नहीं हो जाते, तब तक वीएसई में व्यापार के संबंध में समाशोधन और निपटान कृत्यों को वर्तमान में वीएसई द्वारा यथा प्रयुक्त समाशोधन और निपटान तंत्र द्वारा या ऐसी अन्य रीति में कार्यान्वित किया जायेगा जो शासी बोर्ड अवधारित करे।

11. आस्तियों और आरक्षितियों का उपयोग

- 11.1 वीएसई प्रसंविअ की धारा 4ख (3) के उपबंधों के प्रतिकूल कोई भी बात नहीं करेगा।
- 11.2 खंड 11.1 के उपबंधों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, वीएसई आस्तियों और आरक्षितियों, इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख को, या ऐसी आस्तियों के व्ययन से आगमों या ऐसी आस्तियों के व्ययन की आगमों से अर्जित आस्तियों के उत्तरवर्ती रूपों के व्ययन से आगमों का प्रयोग इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख को बकाया चालू दायित्वों को उन्मोचित करने या स्टॉक एक्सचेंज के कारबार प्रचालनों से भिन्न किसी प्रयोजन के लिए नहीं करेगा।

12. इस स्कीम की अनुपालना

- 12.1 वीएसई सभी समयों पर इस स्कीम के उपबंधों की अनुपालना सुनिश्चित करेगा और इस स्कीम के उपबंधों के प्रतिकूल कोई भी बात नहीं करेगा।

- 12.2 12.1 में उपबंधों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, वीएसई खंडों 4.2, 6, 7.3, 7.4, 7.5, 7.6, 8.2, 8.3, 9.3 और 11 में उपबंधों की अनुपालना निरंतर करता रहेगा।
- 12.3 वीएसई इस स्कीम के उपबंधों की अनुपालना की रिपोर्ट ऐसी रीति में करेगा जो भाप्रविबो द्वारा समय-समय पर अपेक्षित की जाये।

13. कठिनाइयों का निराकरण

यदि इस स्कीम के उपबंधों को कार्यान्वित करने में कोई कठिनाई उत्पन्न होती है, तो भाप्रविबो, वीएसई के लिखित अनुरोध पर, इस स्कीम के उपबंधों में से किसी को शिथिल कर सकेगा।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA NOTIFICATION

Mumbai, the 15th September, 2005

Order under Section 4B(6) read with Section 4B(7) of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 in the matter of The Vadodara Stock Exchange Limited (Corporatisation and Demutualisation) Scheme, 2005.

S.O. 1314(E).—1.0 The Vadodara Stock Exchange Limited (hereinafter referred to as the 'VSE'), registered under the Companies Act, 1956 as a company limited by guarantee, is a recognised stock exchange having its principal place of business at 3rd Floor, Fortune Tower, Vadodara – 390 005. It is required to be corporatised and demutualised in accordance with the provisions of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (hereinafter referred to as the 'SCRA').

2.0 VSE, vide its letter dated January 31, 2005, submitted a scheme for its corporatisation and demutualisation for approval to the Securities and Exchange Board of India (hereinafter referred to as the 'SEBI') in terms of sub-section (1) of section 4B of the SCRA. SEBI vide its letter dated May 25, 2005 advised VSE to submit a revised scheme taking into account those provisions of the BSE (Corporatisation and Demutualisation) Scheme, 2005, which may be relevant and applicable to VSE.

- 3.0 Thereafter, VSE, vide its letter dated June 11, 2005 submitted a revised scheme. SEBI made enquiries and obtained information from VSE through a meeting on July 21, 2005. Based on the discussions during the said meeting, VSE desired to resubmit the scheme.
- 4.0 Accordingly, VSE, vide its letter dated August 6, 2005 submitted a further revised scheme (hereinafter referred to as 'the Scheme') for its corporatisation and demutualisation to SEBI for approval in accordance with the provisions of the SCRA.
- 5.0 The Scheme, inter alia, provides for the segregation of ownership and management from the trading rights of the members, restriction on voting rights of shareholders who are also trading members, composition of the Governing Board etc. in accordance with the provisions of Section 4B(6) of the SCRA, utilisation of assets and reserves and other matters required for the purpose of and in connection with the corporatisation and demutualisation of VSE.
- 6.0 SEBI, having considered the Scheme and on being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest, hereby approves the Scheme with minor modifications. The approved Scheme is enclosed as **Annexure A**.
- 7.0 VSE shall ensure compliance with the Scheme within the time as specified in the Scheme and shall not do anything contrary to the provisions of Scheme and submit compliance report to SEBI in the manner as may be specified by SEBI.
- 8.0 SEBI reserves rights to amend, alter or modify the Scheme in the interest of the trade and in the public interest and in furtherance of the objectives of the corporatisation and demutualisation of the stock exchange.
- 9.0 The Scheme shall come into effect on the day of its publication in the Official Gazette.

[F. No. SEBI/MRD/49397/2005]
M. DAMODARAN, Chairman

Annexure A**THE VADODARA STOCK EXCHANGE LIMITED (CORPORATISATION AND DEMUTUALISATION) SCHEME, 2005****1 Title and Commencement**

- 1.1** This Scheme shall be called the Vadodara Stock Exchange Limited (Corporatisation and Demutualisation) Scheme, 2005 (hereinafter referred to as "this Scheme").
- 1.2** This Scheme shall have effect on its publication under sub-section (4) of Section 4B of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (hereinafter referred to as the "SCRA").
- 1.3** Vadodara Stock Exchange Limited (hereinafter referred to as "VSE") shall be corporatised and demutualised in accordance with this Scheme on and from the Appointed Date as may be notified by the Securities and Exchange Board of India (hereinafter referred to as "SEBI") in respect of VSE under Section 4A of the SCRA. Provided that the activities specified in the respective clauses of this Scheme shall be implemented as per the time schedule specified in those clauses.

2 Definitions

- In this Scheme, unless the context otherwise requires, -
- 2.1** "Due Date" means the date, as may be determined by the Governing Board, which shall not be later than 3 months from the date of publication of the Order under sub-section (7) of section 4B of the SCRA.
- 2.2** "Governing Board" means the Board of Directors of VSE.
- 2.3** "Member" means a person who is a Member of VSE on the day preceding the date of re-registration as per the Register of Members maintained by it.
- 2.4** "Shareholder" means a person who holds any equity share(s) in VSE.
- 2.5** "Trading Member" means a stock broker of VSE and registered with SEBI as such under the SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992.
- 2.6** "Vadodara Stock Exchange Limited" (VSE) means the company limited by guarantee, having its principal place of business at 3rd Floor, Fortune Tower, Vadodara – 390 005 and recognised as a Stock Exchange by the Central Government and which shall be re-registered as a company limited by shares, in pursuance of clause 3 of this Scheme.
- 2.7** Words and expressions used and not defined in this Scheme but defined in the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, the Depositories Act, 1996, the SCRA, the Companies Act, 1956, the Rules and Regulations under these Acts, Memorandum and Articles of Association, the Rules, Bye-Laws and Regulations of VSE shall have the same meanings respectively assigned to them in the above mentioned Acts, Memorandum and Articles of Association, Rules, Bye-Laws and Regulations.

3 Re-registration

- 3.1** VSE shall get itself re-registered, prior to the Due Date, as a company limited by shares under section 12 of the Companies Act, 1956, in the name and style of "Vadodara Stock Exchange Limited" in accordance with section 32 of the Companies Act, 1956.
- 3.2** The Members, as may be identified by the Governing Board, shall each subscribe to and pay for 1,000 fully paid up equity shares of Rs.10/- each for cash at par, for the purpose of its re-registration.

4 Governing Board

- 4.1** The first Governing Board on re-registration shall comprise of Directors as are named as first directors in the Articles of Association of VSE subject to the condition that the representatives of the Members do not exceed one-fourth of the total strength of the Governing Board.
- 4.2** The Governing Board, on and from Due Date, shall be constituted in accordance with the provisions of the Articles of Association of VSE in force from time to time:
Provided that –
- (i) the representation of Trading Members does not exceed one-fourth of the total strength of the Governing Board, and the remaining directors are appointed in the manner as may be specified by SEBI from time to time, and
- (ii) Chief Executive, by whatever name called, is an ex-officio director.
- 4.3** Notwithstanding anything contained in clause 4.2, SEBI may nominate directors on the Governing Board as and when deemed fit.

5 Allotment of Shares

- 5.1** Every Member or his nominee, as the case may be, (other than the Members who have subscribed under clause 3.2 of this Scheme) shall be entitled to 1,000 fully paid-up equity shares of the face value of Rs.10/- each for cash at par of VSE.
- 5.2** VSE shall allot the equity shares to the entitled Members or their nominees, as the case may be, by the Due Date:
Provided that the allotment shall be held in abeyance
- till the suspension continues in respect of a Member suspended by VSE/SEBI and
 - till final settlement by the competent court in case of pending litigation relating to membership;
- Provided further that a Member having outstanding dues towards VSE shall be allotted shares on clearing the dues within 6 months from Due Date.
- 5.3** The invitation to subscribe to, and the offer, issue and allotment of equity shares of VSE pursuant to this clause shall not be considered as being an invitation, offer, issue or allotment to the public.

same meaning respectively assigned to them in the above mentioned Acts, Memorandum and Articles, rules, bye-laws and regulations.

3. Governing Board

3.1 The Governing Board, on and from Due Date, shall be constituted in accordance with the provisions of the Articles of Association of JSEL in force from time to time:

Provided that -

- i. the representation of Trading Members does not exceed one-fourth of the total strength of the Governing Board, and the remaining directors are appointed in the manner as may be specified by SEBI from time to time, and
- ii. the Chief Executive, by whatever name called, is an ex-officio director.

3.2 Notwithstanding anything contained in clause 3.1, SEBI may nominate directors on the Governing Board as and when deemed fit.

4. Allotment of Shares

4.1 Every Member or his nominee, (other than the Members who have subscribed to equity shares at the time of conversion of JSEL) as the case may be, shall be entitled to 10,000 fully paid-up equity shares of the face value of Re.1/- each for cash at par of JSEL.

4.2 JSEL shall allot the equity shares to the entitled Members or their nominees, as the case may be, by the Due Date.

Provided that the allotment to a Member suspended by JSEL shall be held in abeyance till the suspension continues.

4.3 The invitation to subscribe to, and the offer, issue and allotment of equity shares of JSEL pursuant to this clause shall not be considered as being an invitation, offer, issue or allotment to the public.

5. Listing of Shares.

JSEL may at any time list its securities on any recognised stock exchange.

6. Demutualisation

6.1 A Trading Member may or may not be a Shareholder.

6.2 A Shareholder may or may not be a Trading Member.

7. Trading Rights

7.1 A Member, who is registered as a stock broker on the day preceding the Due Date, shall become a Trading Member on the Due Date.

- 7.2 A Member who is not registered as a stock broker on the day preceding the Due Date shall become a Trading Member on being registered as a stock broker under the SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992 within 3 months from the Due Date.
- 7.3 After the Due Date, a person desirous of becoming a Trading Member shall be admitted if he complies with requirements and brings in specified fees and deposits as specified in the Rules, Bye-laws and Regulations of JSEL.
- 7.4 JSEL shall, for the purpose of admitting any person as a Trading Member, follow uniform standards in terms of capital adequacy, deposits, fees etc. irrespective of mode of acquisition of trading right by that person:
Provided that different standards may be followed for admission of a person as a Trading Member who has acquired trading right by way of transmission.
- 7.5 A Trading Member may surrender his membership to JSEL in the manner specified in the Rules, Bye-laws and Regulations of JSEL.
- 7.6 Irrespective of the date or mode of acquisition of trading right, the Trading Members shall have uniform rights and privileges.
- 7.7 Trading Members on the Due Date shall continue to have the same rights and privileges in respect of their clients and constituents and other members arising out of or under any act, omission or contract or law, notification, order, direction, etc. as had accrued to them while trading on JSEL before Due Date.
- 7.8 Trading Members shall be bound by all obligations and liabilities towards their clients and constituents, SEBI, JSEL and other authorities or other persons arising out of or under any act, omission or contract or law, notification, order, direction, etc. while trading on JSEL before Due Date.
- 8. Shareholding Rights**
- 8.1 JSEL shall ensure that at least 51% of its equity shares are held by public other than shareholders having trading rights in the manner and within the period prescribed in sub-section (8) of section 4B of the SCRA.
- 8.2 On and from the Appointed Date, JSEL shall ensure that public other than shareholders having trading rights continuously hold at least 51% of equity shares.
- 8.3 On and from Due Date, no Shareholder, who is a Trading Member, shall have voting rights (taken together with voting rights held by him and by persons acting in concert with him) exceeding 5% of the voting rights in JSEL.
- 9. Memorandum and Articles of Association, etc**
- 9.1 The Memorandum and Articles of Association, Rules, Bye-laws and Regulations of JSEL on the day preceding the Due Date shall, unless contrary to or inconsistent with or excluded by this Scheme, apply to it on and from the Due Date.

12.2 Without prejudice to the generality of the provisions in 12.1, VSE shall continuously comply with the provisions in Clauses 4.2, 6, 7.3, 7.4, 7.5, 7.6, 8.2, 8.3, 9.3 and 11.

12.3 VSE shall report compliance with the provisions of this Scheme in such manner as may be required by SEBI from time to time.

13 **Removal of Difficulties**

If any difficulty arises in giving effect to the provisions of this Scheme, SEBI may, at the written request of VSE, relax any of the provisions of this Scheme.
